



२५३५७१११

दनमया उयदिय ना उयदिय नीजा रुध्मा न १ स्वसम ना उय
 दिय च उ विदिगं रुवन वा उयदिय श्री खद्यु य प्रयु ॥ ॥
 दित्त दत्त यथा नियन लक्ष्मि यथा चिय सफ जंदा द व च्चि याम
 १ अ व व ना उ दिचिय साय कंचका सनिक व निधि निधि न वा द
 यकि ॥ ॥ गु व च व श शि व व रं रु ग कि य प्रि ला व ना स नः

५६३

वि न्ना ना दि ॥ २

क स म उ द क य प्रि सं य प्रि पू जा १ पु न व य प्रि ला य धि स क य प्रि य
 प्रि कं रु व अ ल वि सं क व ल स रु रु क ॥ ॥ वा ग रु व वा ॥ ॥
 र नि र्मा ना दि च रु य छि द व स वा कं लं स भ ग रु का दि वी रु ना द व
 यि १ स मि व य प्रि क ल लि ता भ ग मि नि न व नि र्मा ना य य जा य रं
 नू यी ॥ ॥ उ न ना मि द वी श्री व रु वि वा मि नि रु रु व रु व नि

^{दश}
 खसमस्तान्नयौश आदियानय ^१ शित्रीकामययथीहकमुवि
 इमधुलनृत्ययकि ॥ ॥ वसदवसयान्नहवधमचिक
 वादशदलजैवैसंरुगवकुं २ वाकोसरुदलकमलमहासखत्र
 कहेकात्रययथीहन्नकनाधुं ॥ दहमिजिनविशविदिकुनयोर
 विनि. सर्वहमकधायानादयथीशयिथादिदसहमिसगरु
 थो

पञ्जनिजिनज्ञानदायनीविप्रध्वत्री ॥ ॥ दय्यधपुकि
 विम्वजलनैवडा यसा बहिनिशिशमवन्नवजदवी २ ऊर्माज
 समानुदुंइयायसप्रथगंकि. दर्नकिनासनमा कयुदा ॥ ॥
 ॥ वागज ~~ध~~ ^१ ववी ॥ ॥ गवदहनयधरुज्ञानसायय २ य
 क्षमरुनययधसात्रिपूजिया ॥ ॥ ॥ रुमदवावप्रियाय

वि
 द
 ॥ ३

२ वटजागिनी ॥ २

शीरुवनवाजा २ विप्रमेत्राय च समर्प्य जानद ॥ ॥ विप्र
विप्रस्थ प्रसहज जानद २ कलंकमना मनहृदया जानद ॥
॥ यच्च ३ वृ ५ यच्च ३ स्वं धसा प्रय २ देवा सुव न प्रयुम दिरु हृदया
॥ ३ ना १ हं दी र्वं धन क निर २ ५ म नू द्य म्भ नि वि
व जानद ॥ ॥ नागकर्णदि ॥ वटजागिनी देवी शिख
व

नव्यापिनी २ विष्णुमानद सुदर्यनवीनासिनी ॥ ॥ नमामी
२ देवी श्री कजवावाही २ सुद्वि सिद्धिदायनी ऊग नऊननी ॥
॥ पूर्वद नगत देवी नक्तवर्षी गी २ ० ० नयामिनी देवी नीः
लवदनी ॥ ॥ वायुवमाहिनी देवी सिरवर्षी रा २ यद्रि
म संवा निनी देवी गे लवर्षी रा ॥ ॥ नमृय संया सिः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

निदवीहनिगवर्षरा २दहनचंडिकादवीधुमवर्षगी॥
॥चउहृऊनकाननयचमूडातनुता२स्वस्यबीजसमेवन
वनसंदिगम्यना॥ॐ॥नागदेववी॥ओआ४हृदस्वा
हाअनेतनस्वाहामकुउचान॥हान२यूजायूजकयूजलाव
नत्वस्यनूपवनीलावा॥धु॥खखखाही२वलिपूतलघ२

घाटय२विघ्नहृन२यंचामियात्रसयंचसात्रिन२यंचशान
सर्वनीना॥ ॥सर्वऊऊनारुसहृतप्रतापि॥आत्मादा
पस्मान२जकजकिनीदूयिअसूधममन॥ॐमंबलिगु
ऊंउन॥ ॥दानपति२सर्वकार्यगतत्वयासर्वसर्वसंय
तिसांकन२य२थेवग२थेवहृऊ२थेपीवथजि२थमाहृक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मथन॥ ॥ समग्रवक्ररुदानपातिनं सर्वसिद्धिसंयदः
साक्षिनं श्वा संसात्रतथागतवचनं सर्वसिद्धिसंयदवृद्धि
न॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ जनील जनील जनील जनील जनील
आमनमलुलवक्रनाया श्वकपंजलसत्रजानसंयत्रित
विमनमलुलवक्रनाया ॥ ५ ॥ समग्रवक्ररुदानपातिनं सर्वसिद्धिसंयदः

नूनभालिंगमहद्वक्ररुदानपातिनं सर्वसिद्धिसंयदः
समग्रवक्ररुदानपातिनं ॥ ॥ सुविमं विनं वीनं वनं सजहि
जहितहि जहितहि जहितहि जहितहि जहितहि
दसद्वीमीनं वियवयं सहाव॥ ॥ विरुवनं वक्ररुदानपातिनं
नायनं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ विरुवनं वक्ररुदानपातिनं

金剛

श्रुतामृतमयं ॥ ५३ ॥ चंद्रामृतमयं वाधिरुल्लदायकं सर्व
 जिनव्यापितं सहजकलर्षं ॥ जगत्तमलं धर्मधिरुत्तमः
 कनूना लावसं सलनामनवीनक्रूर्यं ॥ ॥ वज्रयत्रमा
 नमयं गंधावर्षं शकं संघं धितं पंचपियुषं ॥ १॥ कान
 मरुयुष्यथ्रगवद्भवजसंलुपितविद्याककलर्षं ॥ ॥

घटमल्यकनसफययहाकआरुषमंदाकिनीजलनूर्यर
 मगिठिसाधननददगावकंज्ञानसत्वमानीयहृद्विज
 कलवी॥ ॥याद्यादिआचमनदानपूयनसर्वसम
 याचकप्रवसितंवीमलकलसं२महानाष्टाद्विहय
 धाधिविरुनूर्यसमयसत्वज्ञानसत्वकीरुनं॥॥॥

नकवर्ष॥२

॥नागनाठ॥नकवर्षदिनित्वायनसंदनिश्चरुसंगद
 धारुजुरुलनहनकीवन॥॥॥उमदवीवानुनीमहा
 मामकीदवी२जगतहप्रभाहादिनमयनहसुनाग॥
 ॥आगमबदपुनानहर्षान२यागधर्मदिकारुनुउयद
 स॥ ॥यंचवर्षस्यननूर्यरुमउम२सयानरुयागि

不亦宜

नीमाभ्यहृदयहृदयहृदय॥ ॥ सगुद्वयत्रयधील्लग
गधनिया २ हनयिनी वा कवजसूत्रहृदयनूयि॥ ॐ ॥
नागलेनवी॥ नमहं भुक्ता नूननूयधनू २ स्वहृदयिसह
उताधनू॥ ॐ ॥ ननाहं ननाहं २ ननाहं ननाहं ॥
ददाआलिंगनकागधनू २ स्वहृदयनूयधनू॥ ॐ ॥

॥ १० ॥

[illegible]

ॐ ॥ नीलवर्ध चतुर्वर्ध पतिमूर्धनि नयं यनम
 आनन्दमूर्तिधरा २ विष्णुवर्ध चतुर्वर्ध मूर्धधरा
 हाज आनन्दमूर्तिधरा ॥ ॥ कञ्चन चतुर्वर्ध मूर्धधरा
 नृवर्ध हाज वीनमा आनन्दमूर्तिधरा २ कर्त्तिकया लय
 नमूया ॥ विष्णुवर्ध चतुर्वर्ध मूर्धधरा ॥ ॥ कर्त्तिकया लय

ता ॥ ॥ दिगं विदिग्गं काका ॥ दिग्गं मज्ज किनीद्वी
 सहाजानन्दमूर्तिधरा २ नमामि २ श्रीचक्रसंम्वरम
 नृवर्ध चतुर्वर्ध आनाधिना ॥ ॐ ॥ वागवा ॥ हाज हन
 हाजिया यिन सन्म्वरधनयिक वा निष्कल ॥ २ ॥
 श्रीवावकम लियामुत्तानमवर्धक ॥ दिगम्वरा ॥

२
 लिङ्गावतः ॥ ११

[illegible]

यिससिधुन्यएकाला२हमविनाहिनीवजवागहीउ
प्रविनुदयमिजुंधल्ला॥ ॥ गभ्रगिलिलावजका
लियाउलसगयुबूवनेलआत्रा<ध२समयाओनदय
लिंगलमल्लसम्बनवजवागही॥ ॥ वागका
दी॥ विरुशुवाययिकागिनीदहकवालिकमल

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

विशिष्टा ॥ १३

शुभविशिनिरुतजा ॥ १४

लिंगकाकलुश्चप्रिसंविदधनसमलसंवीना ॥ ॥
गमकदहनविम्बुमांससल्लङ्घनश्चकवृद्धनृललायन
लायनलिष्यक ॥ ॥ द्वादशाहज्ज्वालित्वालिक्कउव
दनश्नीलसंहावगगटापुंशनीना ॥ ॥ नागकाम
दा ॥ शुभनीनीहिरुतजानूनीलसमदहाश्चककलपिन

यनीलीयमवदना ॥ ॥ गनाहं गनाहं गनाहं जागज
वन्काधलाया ॥ ॥ त्रिविधिनचनदूतिमाहिरुम
गश्यागारवर्जधत्रिपुवदनाथा ॥ ॥ रुत्रिह
वप्रक्रां दुवउमानाश्मानविप्रदूतिसकृत्त्यहन
॥ ॥ विविधिननत्वमोलिलकृत्तदहाश्चगत

२५ दिना ॥ १३

विवांष्टि नव वरुल दायकं ॥ १३ ॥ नाग विनाम ॥ उयि
गात्र यियाय वन दृष्टा न श्वल त हृदाम कं कासल लि
ना ॥ १४ ॥ धान दृष्टा न र वा द्वि संल लि श्रूय य नि ली
जन भाद्र ली कृता ॥ ॥ दिने कल म लुल म ध्व ग म
शक नृत्त मृत् न स सव क ली कृता ॥ ॥ दग्ध अजालि

२५ दिना ॥ १४

गदा हय य नि नी हं ता श्र द वा नृत्त ल न न सिल न मि ता
॥ ॥ गात्र मिय व दाये गु नृत्त क्ता श्र द वा ना ही उ ई
नी ल न मि ता ॥ १५ ॥ नाग यं व म ॥ जयं वा य लि हः
नृत्त य न यि श्र स य न स नृत्त ज ग नृत्त ध नि ॥ १६
नृत्त ग व नि या दृ य म ल म हि म लुल नो य न नृत्त

विनिर्

कालाश्वाङ्गं मालाञ्जलिं विहसिन्ममवलम्ब
लालायिनिन्दिनययिनिनिनयना ॥ ॥ कर्त्तुं
नयिष्यन्नुन्नतसिलमालाश्च विख्येद्वाङ्गवनमक
टकम् ॥ ॥ सिलसमिन्धूलकं जलरुलाश्च कम्
निकर्यूलनाश्चालस्यसालि ॥ ॥ एतेयिसन

नकञ्जवाचुलिदासाश्च वज्रदवीप्रभदन्त्री हन
वयाया ॥ ॥ नागञ्जवाचुली ॥ वक्रिबुलकलिली
वक्रमवलहरिवनयी वनून्नतसिलमालाश्च ली
वक्रिवक्रिजयियाश्च विहसिन्ममवलम्ब
धुनिनाया ॥ ॥ परलनाश्च हनून्वदमानक

वक्रिबुलकलिली ॥ ८

॥ गताथ श्रीसम्यक्तावा ॥ ॥ वडक गोठ
नचानियाक (पुंरुया उवद्वाग २ संयूट जागि
नयिहाथुं गलमहासुवमनिप्रभद ॥ ॥ वडावा
नाहिआलिं गलसम्यक् नानाचिवहु विविह नरुंग
इनि कालिनेयाकोट किहनुव नुव नुव नुव नुव नुव

काफा॥

॥चक्रसमननशीउगदावृत्तीमाता२॥

नयिअमाद्यदङ्गीनचनिगा॥ॐ॥नागगङ्गा॥

वामयल्यनदहिनकलिं२यायवनीयूनदमासासंय

दिंग॥॥॥दवीनावयिचकजटिकजजागिर

दरवीशिरवनययिस॥ ॥कालमृग

नवंधिल२आगदयमाहकलिं२दिता॥

समदवीनिलंजनदवी२पुन्ययाप्रदवीपुन्य

॥शृष्टिसहानदवीकरुनकदवी२माद्रुमागजदवीसव

मज्जननि॥॥॥नागसेववी॥जयंजयंवाहलिमय

नम्यगस्कनी२अययदययसंहातपू॥ ॥॥

नूनंमूनंभूनहाहंकागनायदिमात्रनिनवान्व॥ ॥
 जिमयनमिनंदहृत्पूज २ जिनजननिनूयवजयागिनी॥
 ॥ जयंजयंहाउआरुनदीसुसाहिना २ कनहिं कषात्रव
 द्वांगधमि ॥ ॥ जयंजयंभीपुष्पमधनहिन २
 वनजननविनमाला ॥ ॥ जयंजयंनारवहं

श्रीमन्नारायण॥ २३

संसार २ प्रक्षमा मिवाहलिजुहयवाहलि॥
 ॥ वागकर्षदि ॥ श्रीमंरुनाथवनमहाविनवीजया २
 उहासखअधमिनागवासदथनू ॥ ॥ नमामि २ श्री
 मंरुपुमाला २ जगदिधवनजगत्पुनरुदलयापिना॥
 ॥ पूरुधधनसूरूपनमगुनूलाया २ श्रीधर्मधंरुसु

॥ १ ॥

न नयालमलुलनरुमा ॥ ॥ जगदनाथ जगदनिर्
जननाया २ सर्वभूतविनाशयलुननिर्जन ॥ ॥
॥ नागहं वधि ॥ गजजिन उदरहा ॥ ॥ वधविया कमल
दुलिधजुहवा नि २ ५ मन्त्रकनठिबुं ॥ ॥ वरहप्रियुववाम
खंडांगकयालजुधना ॥ ॥ श्रीहिसम्बनलोयावा

चुलिउमजंगुली ॥ २ ॥ मानयि वचाययिया लनमा
या २ सासुहुरुवंतुमडासिद्धिना ॥ ॥ याधवम
दलवामहमहा ॥ ॥ वधविया उन्नवगिलमाला २ न
लहनिगलोहिनकनकारुवचउमयजुतिविकलाल
जुधना ॥ ॥ जालिउयथाहं न वचाययिया वका

नोऽनिर्ममवहदयालवक्रध्यापिकजुहिनिमिद्रव
 नजकुमयसाधना॥ ॥आनन्दयनमानन्दविन
 माभ्यसहजावकुनानन्दमयसमूवाश्यनमावीन
 म्यननुदिलमहासुखसुगनसंयदयनप्रापिना॥
 ॥हवजकालवक्रथीवक्रसम्यनजनककाटिसि

२२
 वेष्टय ॥ २२

द्रायानंगताश्चीरुताडित्यानपूर्वगीनिजालधन
 परमहासुखजानह॥ ॥३॥ ॥नागलेलिक॥ विषय
 विषयविनूयवदसंजागहलविदधुलिनाहिक
 मल्लशदहयिजिनविम्बुषामिजनयिसूननवकुजिनि
 आलसमयवधमसयन॥ ॥नममंशुयायं॥

कानवककहवजसम्वत्रविश्वनृपंश्ययिमइमसंजाग
 समुवविनासहजआनंदमयअननुर्य॥ ॥वजय
 र्थेअनवृवसमूनतननामसंतिरजुआलयध्यानंरजग
 तइत्यनासनवाधिरुतदायकंआगधर्ममावृणवहि
 र्य॥ ॥गुनवाक्कहृधत्रियाजुहपवटादंविद्यम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २७

निमकूटवर्षातिउताहधत्रियास्वउचक्रयाप्रसत्रि
 मयत्रमव्वत्रगुर्यरममावृवात्राहृवने॥ ॥
 स्वप्रमायासहसयत्रिगावनाबुद्धधर्मसंघसकभग
 मिर्यंशुगुववदलीलधत्रियागभवंतिसुवववजजम
 ऊममावृवदसवली॥ ॥नागकर्मदि॥ श्रीमईना

थवमहाविनवीजया २ वडुहामखर्जधनिनागवा
 मदथनु॥ ॐ ॥ नमामि २ श्रीमं रुद्रमाता २ जगदी
 श्वरजगत्पुत्रहवदयापिता॥ ॥ पृष्टकधन
 सरूपमगुनलाया २ श्रीधर्मधामसुनं प्रयालमधु
 वलं रुद्रा॥ ॥ जगत्नाथजगत्नीलजनलाया २

सर्वधामपुत्रविष्णुवयसिगनिर्वजना॥ ॐ ॥ नागका
 माद॥ प्रहलीतहंकावना रुद्रमन्त्रिः ॐ रुद्रनीलसम
 इतिदहा २ विष्णुसुसुतगृष्टिकननं वलमवदका
 धधियं॥ ॐ ॥ नमामि श्रीवसुवीरं रुद्राष्टीसिन्धुन
 वनं २ विष्णुनाथप्रहवदयापितं वंशनिर्धनक

२
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

वनं॥ ॥ अनेन जानुमिहिरवनवीनं सव्यष्ट
पुखर्जदधानं वामन ईनी हृदिया मधुना रवा त्रिगुण
नवंधनवनं॥ ॥ नाना रव रत्नान नोयनं कलि
मयलाह विनवदनं २ इष्टा कला लीय मवदनं वि
रवला लाया प्रवसुवीनं॥ ॥ वीनाधीपति सर्वरुप

॥ अनेक जानुसिद्धि तिरवनवीनं सुव्यक्तः ॥

पुर्वर्जदधानं वा समर्जनी हृदिया भध्नारवा त्रिगुण

नवधनकनन॥

॥ नाना रस रस हान नोयत्रं कलि

मयलाहपिनवदनं २५ अक्षकलाहलीषमवदनं ३

रुदराजायाप्रवक्षुवीरं॥

॥ वीनाधीपति सर्वरुप

श्रीगणेशाय नमः॥

रुनदीपतयीब्धदिष्मकमनसाश्चनननजन्नादिवं

दिनयादं सर्वसिद्धिमाप्नुयान् ॥ ॥ वागकथं

दि॥ श्रीहृवजनेनात्मादवीहितंवननाथशयंचाजित

व्यापितायैववर्द्धदहा॥ कु॥ नन्नामिश्रवपूययव

॥ श्रीहनुकथीयुक्तेष्वनिवेज्यागिनीपुन्यगा ॥

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

पूर्वदीर्गांतिरुहरेवनीनवर्षुश्चहिनयाप्रधमिद्वाम
विदुधमा ॥ ॥ घममिद्वीनिजागिनिदवीश्गमत्र
दिलिलावजहंकायसर्वजा ॥ ॐ ॥ नागनामकनि ॥
हं हं हं धनुसंसावतनुश्च पुआलिगलजागधनु ॥ ॐ
॥ हं वज्रपुमना हं नना हं नना नन हं हं ॥ ॥ सूनन

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

मवरीकवनेलावनुश्चसमविलयनदहधनु ॥ ॥
गवयिमदुटविस्तवयुलाहूदायिश्चनमहंश्च श्रीहवज
पुष्पयुलापुवयि ॥ ॐ ॥ नागधनाथी ॥ सर्वाकाका
महासूयलायावजआननुदहधविश्चिहवनेरुलय
महासूयलायावदुसूर्यइयिमविया ॥ ॐ ॥ नयाय

विना नोपनिना हिरवत्तु कथ्वनूपिनी २ सर्वविक
 ल्यविध्वं तनी दवी जूनरु वस्तुन वनदायनी ॥
 अमिता वमस्तु लउदयान नित्तिकल्यान नमि वनवध
 निश्कलिय द्यन वशंग धावी प्रस्तुस्तुन वनदायनी ॥
 ॥ ॥ दिगम्बन मकूटकण वकि वस्तुल कलिधायी

२
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०

आवक मयलायी वनूडन नतिवमाला ॥ ॥ सर्व
 थागतजन निदवी विनहित लोवजलाव २ श्री वजया
 गित्ति विर्लगत धनिया गा वंति समन संवज्जमा
 वाग को सिकव संत ॥ मधुनियु विप्रा इयिनी कुला वा २
 सकन दव गा वंदित या दंग ॥ मे लि आ दिव्द धीम

इन्द्रावा २ त्वं अति वंदनीय प्रभु स्वयं ॥
इन्द्रमनुविना सन्न विन विषमा २ तु न्यागं मही न क नूल
वीर्या ॥ ॥ विषय विषम कूटया वंग मन स २
विषय विषय विन श्री यगु नु स्वयं ॥ ॥ सगु नु
पदमा विंदू आवा २ गम व्रति न वगी क प्रल व दूनी

॥ ॥ ॥ नागना ॥ सक न ऊ ग न सं सा व ह नू या हं
२ सर्व नू य ध व ह ली क ली हं ॥ ॥ ॥ दवी विर व न न
कू अ व ल २ ऊ ग न वृ ह म यं सर्व मि दं नू या हं ॥ ॥
अ हं वृ हि अ हं सि द्वि स्ता व न ऊ ग मा हं २ अ हं मि अ हं
पू न य न पू क का हं ॥ ॥ दवा अ स न न न ऊ न य ऊ

三才圖會

दृष्टि संवीनवीनव्वनाश्च उच्यते कथं निवृत्ता दवी संय
 दप्रकाशितमिति ॥ ॥ प्रसूतं संयुतं जालिकात्
 प्रदाकाका अति संदलाश्च दवा दवी प्रकाशान्नः
 मा मिथी चक्रसम्भवा ॥ ॥ सत्यं नृचनरक्षणी
 लग्नमध्याह्नं नयिगीतं श्री कृति ॥ २ दानपतितं

卷二

金剛經

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नययिस्त ॥ ॥ पूर्व उरु नययिस्त म द जि न दि गं
दवी २ ज कि नी दि पि नी च उ सि कं वा ज नी ॥
क दु दि ग र म स ल नं दु द वी २ शि नी न ज द वी त्रा च
यि द वी ॥ ॥ ह नि रु न व स क्रा ०० उ नु स न ग १ ६ २
षा द वा द वी स म न सं ला वे ॥ ०० ॥ वा ग ना ट ॥ न मा

ॐ

मि २ जि न धा पु स्य र्यं पु २ शि रु व न न नू रु व ध म्म ध
उ वा गी ० ध नं ॥ ० ॥ न मा मि २ जि न यं व जि न न मा
मु २ द वा र मि द्वा रिं वा रु म हा स र व ला या ॥ ॥
स्य जे म धा पा ना व र व न थो का पो ट क २ ५ व उ नि
वं रु न म हा स नि ध वा ॥ ॥ ध र्म थो मि य ज्ञान

श्रीमिश्रनयालमधुलमाभ्यसयासुनवृषी॥
 वामरुजयुष्टकधनूधवाशदहिनमिद्रुखभसत्रध
 ना॥ ॥ श्रीलाकधनमधुलमहासुखलाया
 नाजाधिवारुश्रीनलदुमलदवं॥ ॥ श्रीवजा
 वार्यवंधुदरुआवार्यशहनयिनीवाकुवजुधिः

नामरुजयुष्कधनुषनाशदहिनमिदुखंमसमध

॥ श्रीलाकेश्वरमण्डलमहासखलायाः ॥

नाजाधिनाऊथीनलडमलदंबे॥ ॥ श्रीवैजा

वार्यबंभूदरुआचार्यशतनयिनीवाक्यकृतिः

लावनरीना॥ ॐ ॥ ॐ तिथीगीतपुष्टकश्री
 ऊदिष्टुंमसंवालयकादावानासि॥ ॐ ॥
 सम्यक्तदमितिमाचक्षुस्तपमिनाऊतिव
 याहादिनेरुलाष्टुहं॥ ॐ ॥ लयकातदममहावा
 हानयाथीवजाचार्यसद्वयगिरिद्रुलाष्टुहं॥

अदिष्टं मम हं वा लय का दा वाना सि ॥ ३५ ॥

सम्यक् तदु मिति मा च द्रष्टुं तप मित्रा ऊति व

गोदादिनेरुलात्रहं॥ॐ॥स्यकोकदममहाव्या

हम या श्री वंज्याचार्य सदनयनि हृदयं ॥

२॥ दानपनिर्जुमानकाष्टमंडमहानगवनामुकानेद्वयपु
३॥ दानपनिर्जुमानकाष्टमंडमहानगवनामुकानेद्वयपु

109 108 107 106 105 104 103 102 101 100

